भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA TRAINING INSTITUTE
हैदराबाद / HYDERABAD

प्रतिवेदन

"संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण एवं महत्व" विषय पर हिन्दी कार्यशाला"

दिनांक: 12-06-2024

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद द्वारा डॉ. मैथ्यू जोसेफ, उप महानिदेशक एवं प्रमुख : मिशन-V के कार्यक्षम पर्यवेक्षण एवं नेतृत्व में संस्थान के समस्त संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु "संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण एवं महत्व" विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12-06-2024 को एम.एस. कृष्णन प्रेक्षागृह के अनुलग्नक सभागृह-1 में किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. विष्णु भगवान, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), एस.बी.आई. (सेवानिवृत्त) द्वारा आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर डॉ. मैथ्यू जोसेफ, उप महानिदेशक एवं प्रमुख : मिशन-V के साथ-साथ प्रशिक्षण संस्थान के कुल 22 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री बिबेक केशरी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने अतिथि वक्ता डॉ. विष्णु भगवान, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), एस.बी.आई. (सेवानिवृत्त) सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया साथ ही अतिथि वक्ता का परिचय दिया। तत्पश्चात् श्री पंकज तिवारी, वरिष्ठ रसायनविद् एवं प्रभारी अधिकारी (राजभाषा अनुभाग) एवं श्री आर. विजय कुमार, निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी ने सभा को संबोधित किया। डॉ. मैथ्यू जोसेफ, उप महानिदेशक एवं प्रमुख : मिशन-V ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला एवं हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में गति लाने के लिए हिन्दी कार्यशाला की अहम भूमिका पर चर्चा की।

तदुपरान्त, अतिथि वक्ता डॉ. विष्णु भगवान, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), एस.बी.आई. (सेवानिवृत्त) ने "संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण एवं महत्व" विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति की पृष्ठभूमि की जानकारी देते हुए बताया कि संसदीय राजभाषा समिति का गठन राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा (4) के तहत वर्ष 1976 में किया गया था। यह उच्चाधिकार प्राप्त संसदीय समिति है। उन्होंने बताया कि यह समिति केन्द्र सरकार के अधीन आने वाले (या सरकार द्वारा वित्तपोषित) सभी संस्थानों का समय-समय पर निरीक्षण करती है और राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। राष्ट्रपति इस रिपोर्ट को संसद के प्रत्येक सदन में रखवाते हैं और राज्य सरकारों को भिजवाते हैं। इसमें 30 संसद सदस्य हैं, 20 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से। माननीय गृह मंत्री जी इस समिति के अध्यक्ष हैं। राजभाषा कार्य की प्रगति के निरीक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए इस समिति को तीन उप-समितियों में विभाजित किया गया है। समिति की ये तीनों उप-समितियां अब तक 16,401 से अधिक कार्यालयों का निरीक्षण कर चुकी हैं और लगभग 882 गणमान्य व्यक्तियों का मौखिक साक्ष्य भी ले चुकी हैं, जिनमें उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यपाल शामिल हैं। इसी कार्य के आधार पर

समिति अब तक अपने प्रतिवेदन के बारह खण्ड राष्ट्रपति जी को प्रस्तुत कर चुकी है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य सरकार के कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा करना है।

डॉ. विष्णु भगवान ने केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों/ स्वायत्त निकायों/बैंकों/उपक्रमों/संस्थानों आदि में हिंदी के प्रयोग से संबंधित संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।

उन्होंने राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निदेश पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें, प्रेस विज्ञप्तियां, संविदा, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञापन, निविदा सूचनाएं और निविदा प्रपत्र द्विभाषी रूप में, अंग्रेजी और हिन्दी, दोनों में जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5, नियम 10(4), नियम 11, नियम 12 आदि पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।इसके साथ ही अपने व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछी गई विषयान्तर्गत शंकाओं का समाधान किया गया।

अंत में श्री बिबेक केशरी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों / कर्मचारियों की सूची:-

क्रम सं	नाम (सर्वश्री/श्री मती/सुश्री)	पदनाम
1.	डॉ. मैथ्यू जोसेफ	उप महानिदेशक एवं प्रमुख, मिशन -५
2.	आर. विजय कुमार	निदेशक एवं कार्यालय अध्यक्ष
3.	एस.पी. भूतिया	निदेशक (त.स.)
4.	एस.धनेन्द्रन	निदेशक (योजना एवं कार्यक्रम)
5.	डॉ. निशा रानी	निदेशक (पीजीआरएस)
6.	पंकज तिवारी	वरिष्ठ रसायनज्ञ
7.	डॉ. श्रीकांत दोराडला	वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
8.	डॉ. मल्लेश गंजी	वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
9.	डॉ सुंदरलिंगम के	वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
10.	एम. नरसिंग राव	उप निदेशक
11.	पी. सुब्रह्मण्यम	भंडार अधिकारी
12.	सीएच. ज्योति	निजी सचिव
13.	बी. प्रशान्ता कुमारी	निजी सचिव
14.	ए. वी. रामा कृष्णा	सहायक
15.	जी एस सी बोस	वैयक्तिक सहायक
16.	स. सोहेल अहमद	यूडीसी
17.	श्री अनिल कुमार	सहायक
18.	अंकुर शर्मा	सहायक
19.	अंकित गुप्ता	सहायक
20.	बिबेक केशरी	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (राजभाषा)

कार्यक्रम की झलकियां

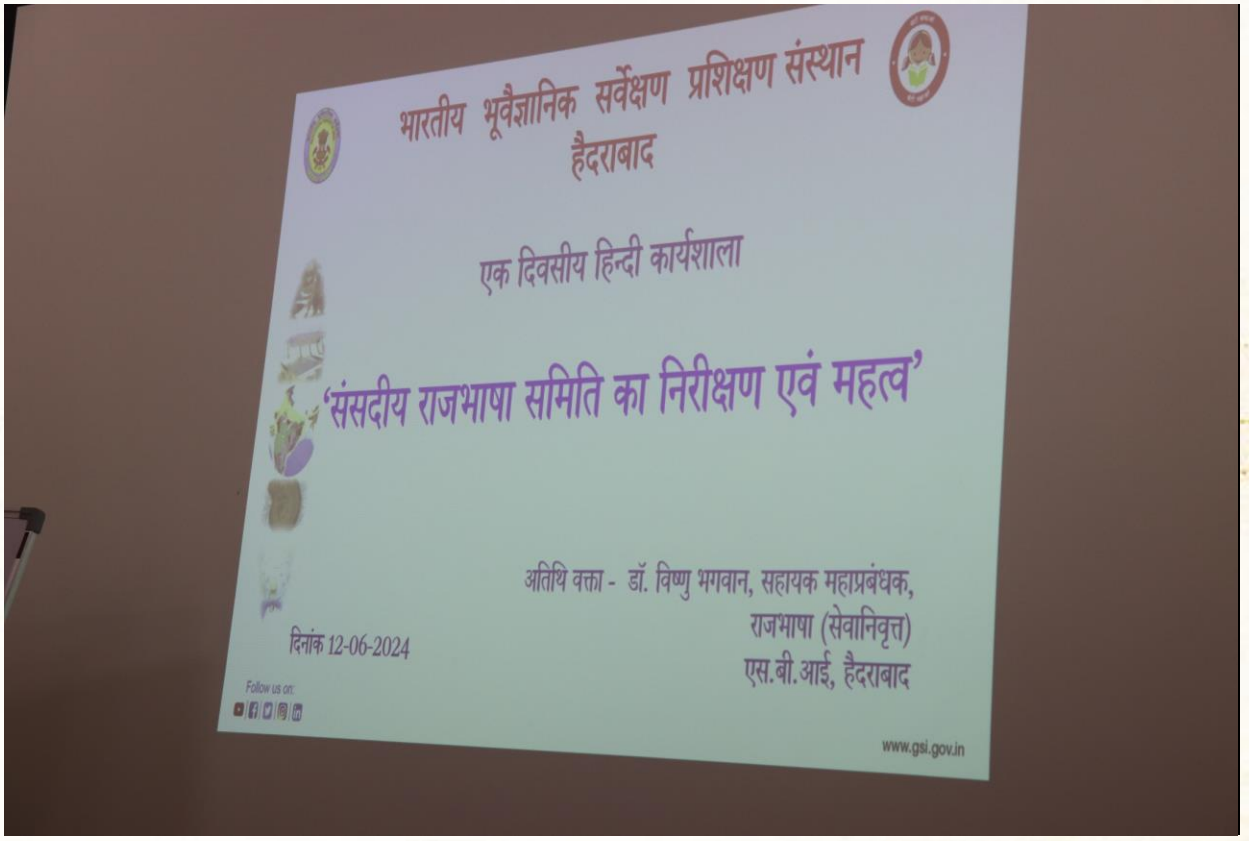

Dr. Mathew Joseph
Dy. Director General & Head M-V